

विज्ञान प्रगति दिसम्बर 2024

निदेशक

डॉ. रंजना अग्रवाल

सम्पादक

डॉ. मनीष मोहन गोरे

सह सम्पादक

शुभदा कपिल

प्रोडक्शन

अश्वनी कुमार ब्राह्मी

अरुण अनियाल

मो० शकील अहमद

लेआउट डिज़ाइन एवं आवरण

अभिनव राज

बिक्री एवं वितरण

नीलू श्रीवास्तव

आईआईएसएफ एक समावेशी विज्ञान महोत्सव

भारत में पर्व और त्योहार हर्ष और उल्लास के साथ मनाए जाते हैं। त्योहारों की हमारे देश में एक सुदीर्घ अतीत और समृद्ध विरासत है। पर्व और त्योहार हमें एक दूसरे से मिलने और अपनी परम्परा और संस्कृति को जानने तथा उसके साथ जुड़े रहने के अवसर प्रदान करते हैं। जब विज्ञान को उत्सव और पर्व के रूप में मनाया जाता है तो विज्ञान को आत्मसात करना सरल और सहज बन जाता है। भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) ऐसा ही एक प्रयोग है जिसका आरंभ वर्ष 2015 में आईआईटी दिल्ली से किया गया था। आईआईएसएफ विज्ञान, तकनीक, नवाचार और उद्यमिता का एक त्योहार है। इस महोत्सव में समाज के हर वर्ग के लोग शामिल होते हैं और इसमें यह दर्शाया जाता है कि कैसे विज्ञान व तकनीक हमारे जीवन को आसान बनाता है। आईआईएसएफ, भारत की वैज्ञानिक विरासत को भी लोगों से साझा करता है। इस विज्ञान महोत्सव की नींव विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विज्ञान भारती के सहयोग से रखी गयी थी।

आईआईएसएफ एक वार्षिक कार्यक्रम है और प्रत्येक वर्ष किसी एक केंद्रीय विषयवस्तु को लेकर इसका आयोजन किया जाता है। कोविड महामारी के कारण वर्ष 2020 अत्यंत निराशापूर्ण और पीड़ादायक रहा। लेकिन ऐसी प्रतिकूल परिस्थिति में भी आईआईएसएफ का आयोजन किया गया था जो भारत की वैज्ञानिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बच्चों, शिक्षकों और वैज्ञानिकों के अलावा आईआईएसएफ में समाज के हर वर्ग जैसे कारीगर, किसान, उद्यमी, विज्ञान संचारक, विज्ञान पत्रकार, विज्ञान मंत्री, स्टार्ट-अप, महिलाएं आदि के लिए जगह होती है। इस तरह भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव एक समावेशी विज्ञान महोत्सव है, जो देश के विभिन्न भागों में रहने वाले लोगों की संस्कृति, परंपराओं, भोजन आदि में निहित विज्ञान को आत्मसात करते हुए प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। इस वर्ष आईआईएसएफ का दसवां संस्करण 30 नवंबर से 3 दिसंबर 2024 तक आईआईटी गुवाहाटी में आयोजित किया जा रहा है। पूर्वोत्तर भारत में आयोजित होने वाला यह पहला आईआईएसएफ होगा।

आईआईएसएफ 2024 का मुख्य विषय “भारत को विज्ञान और प्रौद्योगिकी आधारित वैश्विक विनिर्माण केंद्र में बदलना” है। इस विचार को वास्तविकता में लाने के लिए भारत सरकार ने आधुनिक बुनियादी ढांचे और प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए एक समृद्ध भारत बनाने का लक्ष्य रखा है ताकि सभी क्षेत्रों के नागरिकों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के दृष्टिकोण से अपनी क्षमता तक पहुँचने का अवसर मिले। आईआईएसएफ 2024 में विभिन्न विषयों पर कुल लगभग 25 अनोखे कार्यक्रम आयोजित होने जा रहे हैं। इच्छुक प्रतिभागी खासतौर पर युवाओं और विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम में अवश्य हिस्सा लेना चाहिए।

मनीष

(मनीष मोहन गोरे)

© 2024 राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान, लेखकों के कथनों और मतों के लिए सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान, डॉ. के. एस. कृष्णन् मार्ग, नई दिल्ली - 110012 उत्तरदायी नहीं है। पत्रिका से संबंधित सभी विवाद दिल्ली न्यायालय द्वारा ही निपटारे जायेंगे।

मूल्य: एक अंक: 75.00 रुपये; एक वर्ष: 750.00 रुपये; दो वर्ष: 1425.00 रुपये; तीन वर्ष: 2025.00 रुपये, विदेशी वार्षिक सदस्यता: 108\$

पृष्ठताछ: 011-25841647, ई-मेल: pmsupport@niscpr.res.in

सम्पादकीय: 011-25841769, 011-25846301, 04-07/370, प्रोडक्शन: 011-25847353, 25846301, 04-07/217, 221

बिक्री एवं विज्ञापन: 011-25841647, EPABX: 011-25846301 Ext. 289, ई-मेल: pmsupport@niscpr.res.in, फ़ैक्स: 011-25847062

ई-मेल: vp@niscpr.res.in; वेबसाइट: https://niscpr.res.in